RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
सितंबर
13
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

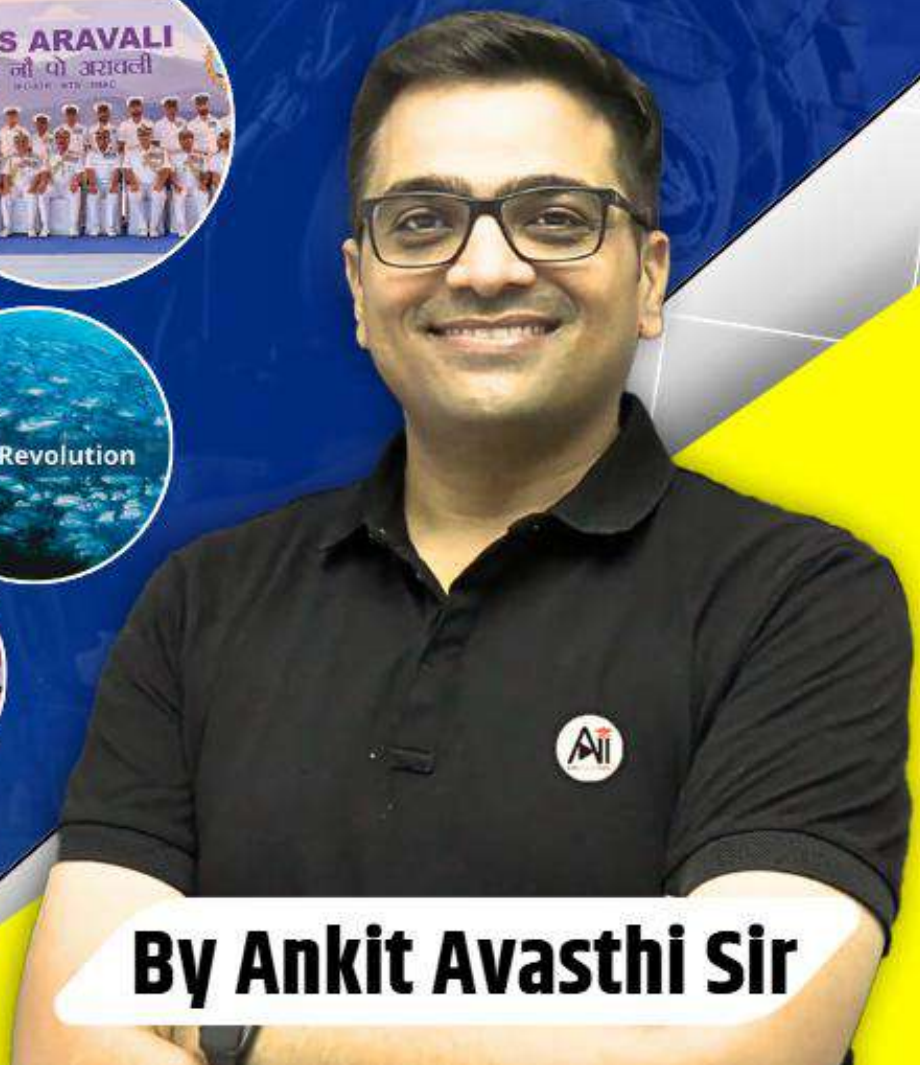

By Ankit Avasthi Sir

फ्रांस का राजनीतिक ढांचा और प्रधानमंत्री की नियुक्ति / Political structure of France and appointment of Prime Minister

संदर्भ:

सेबास्टियन लेकोर्नू, जिन्हें राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने दो वर्षों में फ्रांस के पाँचवें प्रधानमंत्री के रूप में चुना है, ने बुधवार को पदभार ग्रहण किया। यह कदम ऐसे दिन उठाया गया जब देशभर में फैले विरोध प्रदर्शनों ने फ्रांस की गहरी राजनीतिक संकट को उजागर कर दिया।

फ्रांस का राजनीतिक ढांचा और प्रधानमंत्री की नियुक्ति:

पृष्ठभूमि (Background)

- **1958 का फ्रांसीसी संविधान**: फ्रांस वर्तमान में पाँचवें गणराज्य के संविधान के अंतर्गत संचालित होता है, जिसे 1958 में लागू किया गया था।
- यह एक **अर्ध-राष्ट्रपति प्रणाली (Semi-Presidential System)** स्थापित करता है, जिसमें शक्ति सीधे चुने गए राष्ट्रपति और राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त प्रधानमंत्री के बीच बँटी होती है।

फ्रांसीसी संसद (French Parliament):

फ्रांस की संसद द्विसदनीय (Bicameral) है:

1. **नेशनल असेंबली (Assemblée Nationale):**
   - यह निचला सदन है, जिसे सीधे जनता द्वारा **दो-चरणीय चुनाव प्रणाली** के माध्यम से पाँच वर्षों के लिए चुना जाता है।
   - इसे कानून बनाने की मुख्य शक्ति प्राप्त है।
   - यह **अविश्वास प्रस्ताव** पारित करके सरकार को गिरा सकती है।
2. **सीनेट (Sénat):** यह उच्च सदन है, जिसके सदस्य स्थानीय निकायों के प्रतिनिधियों द्वारा **अप्रत्यक्ष रूप से चुने जाते हैं**।
   - इसका काम कानूनों की समीक्षा करना है, लेकिन यह सरकार को नियंत्रित नहीं करता।

प्रधानमंत्री की नियुक्ति की प्रक्रिया:

1. **राष्ट्रपति की नियुक्ति शक्ति (Article 8):** फ्रांस का राष्ट्रपति प्रधानमंत्री नियुक्त करता है।
2. **नेशनल असेंबली का समर्थन:**
   - प्रधानमंत्री को नेशनल असेंबली का विश्वास प्राप्त होना चाहिए।
   - अगर राष्ट्रपति की पार्टी के पास बहुमत है, तो आमतौर पर उसी पार्टी से प्रधानमंत्री नियुक्त होता है।
   - यदि विपक्ष के पास बहुमत है, तो राष्ट्रपति को विपक्ष के नेता को प्रधानमंत्री नियुक्त करना पड़ता है। इस स्थिति को **सह-अस्तित्व** कहा जाता है।

अविश्वास प्रस्ताव (Article 49): नेशनल असेंबली यदि प्रधानमंत्री के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित करती है, तो प्रधानमंत्री को इस्तीफ़ा देना पड़ता है।

कार्यकाल (Tenure)

- प्रधानमंत्री का कोई निश्चित कार्यकाल नहीं होता।
- वह तभी तक पद पर रहता है जब तक उसे राष्ट्रपति का समर्थन और नेशनल असेंबली का विश्वास प्राप्त है।

फ्रांस कर्ज़ संकट में क्यों है?

1. **लगातार अधिक खर्च:**
   - दशकों से फ्रांस की सरकार ने अपनी आय से ज़्यादा पैसा खर्च किया है।
   - इस कमी को पूरा करने के लिए सरकार को लगातार उधार लेना पड़ा।
2. **सार्वजनिक कर्ज़ का बढ़ना:**
   - 2025 की शुरुआत में फ्रांस का **सार्वजनिक कर्ज़ €3,345 अरब** था, जो देश की **GDP का 114%** है।
   - यह यूरोज़ोन में ग्रीस और इटली के बाद तीसरे स्थान पर है।
   - औसतन हर फ्रांसीसी नागरिक पर लगभग **€50,000 (लगभग 45 लाख रुपये)** का कर्ज़ बैठता है।
3. **बजट घाटा:**
   - 2024 में बजट घाटा **GDP का 5.8%** था।
   - 2025 में यह आंकड़ा भी लगभग **5.4%** रहने का अनुमान है।
4. **बूढ़ी होती आबादी (Ageing Population):**
   - कामकाजी लोगों की संख्या घट रही है।
   - पेंशन लेने वालों की संख्या बढ़ रही है।
   - इससे सरकार पर **पेंशन और स्वास्थ्य खर्च** का भारी बोझ पड़ रहा है।

इसरो ने छोटे उपग्रह प्रक्षेपण यान प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण के लिए HAL के साथ समझौता किया / ISRO inks pact with HAL for transfer of small satellite launch vehicle technology

संदर्भ:

भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में एक बड़ा कदम उठाते हुए, न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (NSIL), इसरो, इन-स्पेस (IN-SPACe) और हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) के बीच स्मॉल सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल तकनीक हस्तांतरण समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

समझौते की मुख्य बातें:

- **अवधि:** समझौते पर हस्ताक्षर की तारीख से **24 माह** के भीतर संपूर्ण तकनीक हस्तांतरण प्रक्रिया पूरी करने का लक्ष्य।
- **दायरा:** इसरो, एचएएल को एसएसएलवी उत्पादन क्षमता हासिल करने के लिए प्रशिक्षण और सहयोग देगा, जिसमें शामिल हैं –
  - वाणिज्यिक प्रक्रियाएँ
  - प्रौद्योगिकी एकीकरण
  - उड़ान-तैयारी से जुड़े पहलू (Preparedness-to-flight aspects)
- **परिणाम:** इस अवधि में इसरो के मार्गदर्शन में **दो एसएसएलवी मिशनों का प्रक्षेपण** किया जाएगा।
- **लक्ष्य:** एचएएल का क्रमिक रूप से **स्वतंत्र स्तर पर एसएसएलवी उत्पादन** करना और निजी क्षेत्र की भागीदारी को सशक्त बनाना।

समझौते का महत्व: यह समझौता अंतरिक्ष क्षेत्र को प्रोत्साहन देने वाले **IN-SPACe** द्वारा सक्षम किया गया 100वां प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौता है।

स्मॉल सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (SSLV) के बारे में-

- **संरचना:** एसएसएलवी एक 3-स्टेज लॉन्च व्हीकल है, जिसमें तीन सॉलिड प्रोपल्शन स्टेज और अंतिम चरण के रूप में लिक्विड प्रोपल्शन आधारित वेलॉसिटी ट्रिमिंग मॉड्यूल (VTM) शामिल है।
- **आकार व वजन:** एसएसएलवी का व्यास **2 मीटर** और लंबाई **34 मीटर** है, जबकि इसका लिफ्ट-ऑफ वज़न लगभग **120 टन** है।
- **क्षमता:** यह यान 500 किलोग्राम तक के उपग्रह को 500 किलोमीटर प्लानर ऑर्बिट में स्थापित करने में सक्षम है। इसका प्रक्षेपण सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (SDSC/SHAR) से किया जा सकता है।
- **मुख्य विशेषताएँ:**
  - कम लागत (Low Cost)
  - तेज़ और कम समय में लॉन्च (Low Turn-around Time)
  - एक से अधिक उपग्रहों को साथ ले जाने की क्षमता
  - आवश्यकता अनुसार लॉन्च करने की सुविधा (Launch-on-Demand)
  - न्यूनतम प्रक्षेपण अवसंरचना की आवश्यकता

टेक्नोलॉजी ट्रांसफर क्या है?

टेक्नोलॉजी ट्रांसफर वह प्रक्रिया है जिसके अंतर्गत इसरो अपनी विकसित की गई **तकनीक, बौद्धिक संपदा और विशेषज्ञता** भारतीय सार्वजनिक एवं निजी उद्योगों के साथ साझा करता है। इसका उद्देश्य **औद्योगिक विकास, तकनीकी आत्मनिर्भरता** और **राष्ट्रीय प्रगति** को बढ़ावा देना है।

प्रक्रिया क्या है?

- **Department of Space (DOS):** मूल निकाय, जो पूरी प्रक्रिया को अधिकृत करता है।
- **NewSpace India Limited (NSIL):** इसरो की वाणिज्यिक इकाई, जो तकनीक के व्यावसायिक उपयोग और समझौतों की ज़िम्मेदारी संभालती है।
- **IN-SPACe:** एकल-खिड़की एजेंसी, जो निजी उद्योगों की भागीदारी को प्रोत्साहित, नियंत्रित करती है तथा तकनीक हस्तांतरण के अनुरोधों को सुविधा देती है।

उद्देश्य:

- **स्वदेशीकरण:** आयातित तकनीक पर निर्भरता घटाकर घरेलू विनिर्माण क्षमता का निर्माण।
- **औद्योगिक विकास:** भारत के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों को प्रोत्साहन देना।
- **राष्ट्रीय विकास:** देश की आर्थिक और तकनीकी प्रगति में योगदान।

व्यावसायीकरण: नई तकनीक आधारित उत्पाद, सेवाएँ और समाधान विकसित करना ताकि आम जनता को लाभ पहुँचे।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) के बारे में:

भारत का सबसे बड़ा एयरोस्पेस और रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम (PSU), जो विमानन और एयरोस्पेस प्रणालियों के क्षेत्र में अग्रणी है।

- **मुख्यालय:** बेंगलुरु, कर्नाटक
- **स्थापना:** 23 दिसंबर 1940
- **नियंत्रण:** रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

उद्देश्य: लड़ाकू और परिवहन विमान, हेलीकॉप्टर, इंजन और एवियोनिक्स, अंतरिक्ष प्रणालियाँ व संरचनाएँ का डिज़ाइन, विकास, निर्माण और रखरखाव।

13 सितंबर से कश्मीर को दिल्ली से जोड़ने के लिए दैनिक पार्सल ट्रेन / Daily Parcel Train to Connect Kashmir with Delhi from Sept 13

संदर्भ:

सेब उत्पादकों को बड़ी राहत प्रदान करते हुए, **केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव** ने कश्मीर घाटी के लिए एक अहम कदम उठाया है। रेल मंत्री ने घोषणा की कि 13 सितंबर 2025 से **बडगाम (कश्मीर) से दिल्ली के आदर्श नगर स्टेशन तक रोज़ाना समय-सारिणी वाली पार्सल ट्रेन** चलाई जाएगी। इस सुविधा से घाटी के सेब उत्पादकों को अपनी उपज बड़े बाज़ारों तक पहुँचाने में आसानी होगी।

क्या होगा फायदा:

- यह नई पार्सल ट्रेन सेवा कश्मीर की लॉजिस्टिक्स व्यवस्था में बदलाव का संकेत है। अब बागवानों को अपनी उपज दिल्ली तक पहुँचाने के लिए संवेदनशील सड़क मार्गों पर अधिक निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। इससे न केवल बागवानी क्षेत्र को मजबूती मिलेगी, बल्कि घाटी की अर्थव्यवस्था में भी नया उत्साह आएगा।
- पहले कई बार भूस्खलन और भारी बारिश के कारण जब जम्मू-श्रीनगर हाईवे बंद हो जाता था, तो सेब से लदे ट्रक फँस जाते थे और किसानों को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ता था। इस नई सेवा से ऐसे नुकसान में अब काफी कमी आने की उम्मीद है।

भारत में सेब उत्पादन के प्रमुख राज्य:

1. **जम्मू-कश्मीर (सबसे बड़ा उत्पादक राज्य)**: भारत में सेब उत्पादन का सबसे बड़ा हिस्सा जम्मू-कश्मीर से आता है। यहाँ हर साल लगभग 1719.42 टन सेब का उत्पादन होता है, जो देश के कुल उत्पादन का 70.54% है। इसका बाजार मूल्य ₹10,000 से ₹12,000 करोड़ तक आँका जाता है। सेब उद्योग इस क्षेत्र में लाखों लोगों की आजीविका का आधार है।
2. **हिमाचल प्रदेश (दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक)**: हिमाचल प्रदेश सेब उत्पादन में दूसरे स्थान पर है। यहाँ हर साल लगभग **643.85 टन सेब** पैदा होता है, जो कुल उत्पादन का **26.42%** है।
3. **उत्तराखंड (तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक)**: उत्तराखंड तीसरे स्थान पर आता है। यहाँ हर साल लगभग **64.88 टन सेब** का उत्पादन होता है, जो कुल उत्पादन का **2.66%** है।
4. **अरुणाचल प्रदेश (चौथा स्थान)**: अरुणाचल प्रदेश में हर साल लगभग **7.34 टन सेब** का उत्पादन होता है।
5. **नागालैंड (पाँचवाँ स्थान)**: नागालैंड पाँचवें नंबर पर है, जहाँ करीब **1.80 टन सेब** का उत्पादन होता है।

तुर्की से भारत में सेब आयात:

भारत हर साल बड़ी मात्रा में तुर्की से सेब आयात करता है। बीते पाँच वर्षों में तुर्की से लगभग पाँच लाख मीट्रिक टन सेब भारत आया है, जिनमें से साढ़े तीन लाख मीट्रिक टन से अधिक सिर्फ पिछले तीन वर्षों में ही आयात हुआ। औसतन यह सेब भारत में 64 से 70 रुपये प्रति किलो के भाव पर पहुँचता है और इस व्यापार से तुर्की ने हर साल करोड़ों रुपये का मुनाफा कमाया है। भारत में कुल आयातित सेब का सबसे बड़ा हिस्सा, करीब 23 प्रतिशत, तुर्की से आता है।

भारत में सेब आयात का हिस्सा (DGCIS के अनुसार):

- **तुर्की: 23% (सबसे ज्यादा)**
- **ईरान: 21%**
- **अफगानिस्तान: 10%**
- **इटली: 8%**
- **पोलैंड: 7%**
- **अन्य देश: 31%**

भारत **चिली, न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका, ब्राजील, बेल्जियम, फ्रांस, पुर्तगाल, स्पेन, नीदरलैंड, अर्जेंटीना, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया और थाईलैंड** जैसे देशों से भी सेब आयात करता है, लेकिन **तुर्की सबसे बड़ा निर्यातक** है।

निष्कर्ष: केंद्र सरकार द्वारा बडगाम (जम्मू-कश्मीर) से दिल्ली के आदर्श नगर स्टेशन तक विशेष पार्सल ट्रेन चलाने का फैसला कश्मीर के बागवानों और व्यापारियों के लिए बड़ी राहत है। इससे उनकी उपज सीधे और सुरक्षित तरीके से दिल्ली की थोक मंडियों तक समय पर पहुँचेगी। सड़क मार्ग पर भूस्खलन और बारिश जैसी समस्याओं के कारण होने वाले नुकसान से अब काफी हद तक बचाव होगा। यह कदम न केवल बागवानी क्षेत्र को मजबूती देगा, बल्कि घाटी की अर्थव्यवस्था को भी नई गति प्रदान करेगा।

INS अरावली / INS Aravali

संदर्भ:

12 सितंबर, 2025 को गुरुग्राम में नौसेना का नया नेवल बेस INS अरावली को नौसेना में शामिल किया गया। इसका नाम प्रसिद्ध अरावली पर्वत श्रृंखला पर रखा गया और इसका उद्देश्य नौसेना के विभिन्न सूचना एवं संचार केंद्रों को मजबूत समर्थन प्रदान करना है।

- इस बेस में इंफॉरमेशन मैनेजमेंट एंड एनालिसिस सेंटर (IMAC) और इनफॉर्मेशन फ्यूजन सेंटर-इंडियन ओशन रीजन (IFC-IOR) जैसी महत्वपूर्ण इकाइयाँ मौजूद है, जो भारत और भारतीय नौसेना की कमांड, कंट्रोल और समुद्री डोमेन जागरूकता (MDA) के लिए बेहद जरूरी है।

नाम और प्रतीक का महत्व:

- **'आईएनएस अरावली'** का नाम प्रसिद्ध अरावली पर्वत श्रृंखला से लिया गया है। यह वही पर्वत श्रृंखला है, जिसने इतिहास में कई पश्चिमी हमलों का सामना किया और सैकड़ों वर्षों तक देश को विदेशी आक्रमणकारियों से सुरक्षित रखा। इसलिए गुरुग्राम में इस नेवल बेस का होना विशेष महत्व रखता है।
- **'आईएनएस अरावली'** का आदर्श वाक्य है: "सामुद्रिकसुरक्षाया: सहयोगं", जो समुद्र में भारतीय नौसेना की ताकत और सहयोगात्मक भूमिका का संदेश देता है।

इस बेस के प्रतीक चिन्ह में अरावली पर्वत **सुरक्षा और मजबूती** का प्रतीक है, जबकि उगता हुआ सूरज ऊर्जा और उज्जवल भविष्य का संदेश देता है।

उद्देश्य:

- तटीय और समुद्री क्षेत्र की सुरक्षा को मजबूत करना।
- समुद्र से डेटा एकत्र कर उसका विश्लेषण करना।
- संबंधित अधिकारियों और मैरीटाइम संगठनों के साथ जानकारी साझा करना।
- रियल-टाइम डेटा संकलन और विश्लेषण पर विशेष ध्यान देना।

भारत के लिए INS अरावली कितना महत्वपूर्ण:

- **रियल-टाइम निगरानी:** INS अरावली और इसमें मौजूद IFC-IOR से हिंद महासागर में हर गतिविधि, जहाज, पनडुब्बी और संदिग्ध मूवमेंट की लगातार निगरानी की जाती है।
- **AI और डेटा एनालिसिस:** आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और बिग डेटा सिस्टम की मदद से दुश्मन और मित्र देशों की पहचान और गतिविधियों का विश्लेषण आसान होता है।
- **वैश्विक कनेक्टिविटी:**
  - 25 देशों के 43 मल्टीनैशनल सेंटर से लाइव फीड जुड़ी हुई है।
  - अमेरिका, फ्रांस, जापान, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन जैसे देशों के साथ सीधा सहयोग होता है।
- **गैरकानूनी गतिविधियों पर रोक:** INS अरावली समुद्री डकैती, आतंकवाद, मानव तस्करी, ड्रग्स स्मगलिंग और अवैध मछली पकड़ने (IUU Fishing) जैसी गतिविधियों पर निगरानी रखता है।
- **सूचना और संचार केंद्रों को समर्थन:** यह बेस भारत के कमांड, नियंत्रण और एमडीए ढांचे के लिए महत्वपूर्ण सूचना और संचार केंद्रों को समर्थन देगा।

रणनीतिक लोकेशन:

- हिंद महासागर से दुनिया का 80% से ज्यादा तेल और 75% समुद्री व्यापार गुजरता है।
- चीन जैसी बढ़ती चुनौतियों के बीच भारत की समुद्री पकड़ मजबूत होती है।

भारतीय नौसेना को इससे कितना फायदा?

- इसकी स्थापना से भारतीय नौसेना को न केवल समुद्री परिस्थितियों और गतिविधियों की बेहतर और रियल-टाइम जानकारी हासिल होगी, बल्कि यह विभिन्न सुरक्षा और सैन्य एजेंसियों के बीच सहयोग और समन्वय को भी और मजबूत करेगा। इसके जरिए नौसेना समुद्री सुरक्षा चुनौतियों का तेजी से विश्लेषण और समाधान कर पाएगी, साथ ही समुद्री क्षेत्र में सभी संबंधित एजेंसियों के साथ समान दृष्टिकोण और रणनीतिक तालमेल सुनिश्चित किया जा सकेगा।

गुरुग्राम को ही क्यों चुना गया?

- गुरुग्राम में IMAC पहले से काम कर रहा है और NC3I नेटवर्क का नोडल केंद्र है।
- दिल्ली हेडक्वार्टर के नजदीक और एयरपोर्ट से बेहतर कनेक्टिविटी।
- अरावली की पहाड़ियों और जंगल में सुरक्षित स्थान।

अब इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों के लोग शामिल होंगे, जिससे यह मल्टी-एजेंसी NDMA सेंटर बन जाएगा। और यह NDMA प्रोजेक्ट भारतीय नौसेना द्वारा टर्नकी बेसिस (turnkey basis) पर संभाला जाएगा।

नीली क्रांति के पांच वर्ष / Five Years of Blue Revolution

संदर्भ:

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) के लॉन्च के पाँच साल पूरे होने पर यह स्पष्ट हुआ है कि इस योजना ने मत्स्य क्षेत्र को पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ, आर्थिक रूप से लाभकारी और सामाजिक रूप से समावेशी बनाने में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

ब्लू रिवोल्यूशन (2015)

भारत में 2015 में **ब्लू रिवोल्यूशन** की शुरुआत हुई थी। इसका मुख्य उद्देश्य मछली उत्पादन को बढ़ाना और मत्स्य क्षेत्र की पूरी वैल्यू चेन (value chain) को आधुनिक बनाना था।

- इस योजना से उत्पादकता और बुनियादी ढाँचे में सुधार हुआ।
- लेकिन कुछ कमियाँ बनी रहीं, जैसे - **पोस्ट-हार्वेस्ट हैंडलिंग, ट्रेसबिलिटी (traceability), मछुआरों का कल्याण और मार्केट एक्सेस**।

इन कमियों को दूर करने के लिए सरकार ने 2020 में **प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY)** शुरू की।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) – 2020

- इसे सबसे पहले **केंद्रीय बजट 2019–20** में घोषित किया गया।
- इसका उद्देश्य मत्स्य क्षेत्र में वृद्धि को बढ़ावा देना और उत्पादन, तकनीक, इन्फ्रास्ट्रक्चर, वैल्यू चेन, ट्रेसबिलिटी और मछुआरों के कल्याण से जुड़ी कमियों को दूर करना है।
- इसे **सितंबर 2020** में औपचारिक रूप से शुरू किया गया।
- इस योजना को एक नए **"ब्लू रिवोल्यूशन"** को गति देने के रूप में देखा गया।
- योजना ने उत्पादन, गुणवत्ता, तकनीक और इन्फ्रास्ट्रक्चर की प्रमुख कमियों को दूर किया है और आज भी पूरे भारत में प्रभावशाली सफलता की कहानियों को प्रेरित कर रही है।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) की संरचना और घटक

PMMSY एक छत्र योजना (Umbrella Scheme) है, जिसके दो प्रमुख घटक हैं -

1. **केंद्रीय क्षेत्र योजना (Central Sector Scheme - CS)**
   - पूरी तरह से **केंद्र सरकार द्वारा वित्तपोषित और लागू** की जाती है।
2. **केंद्रीय प्रायोजित योजना (Centrally Sponsored Scheme - CSS)**
   - इसमें **केंद्र सरकार आंशिक सहयोग** देती है।
   - योजना का **कार्यान्वयन राज्य सरकारों द्वारा** किया जाता है।

प्रमुख उपलब्धियाँ और मील के पत्थर:

1. **रिकॉर्ड मछली उत्पादन**
   - वर्ष 2024-25 में भारत ने **195 लाख टन** मछली उत्पादन का नया रिकॉर्ड बनाया।
   - यह उत्पादन 2019-20 के **141.64 लाख टन** से कहीं अधिक है।
2. **वैश्विक स्तर पर स्थिति**
   - भारत दुनिया का **दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश** बन गया है।
   - भारत वैश्विक मछली उत्पादन में लगभग **8% योगदान** देता है।
3. **निर्यात में वृद्धि**
   - मत्स्य निर्यात (Fisheries Exports) 2019-20 में ₹46,662.85 करोड़ से बढ़कर 2023-24 में ₹60,524.89 करोड़ तक पहुँच गया।
   - इससे भारत की स्थिति **वैश्विक सीफूड बाज़ार** में मजबूत हुई।
4. **महिला सशक्तिकरण**
   - PMMSY के तहत **महिलाओं की भागीदारी** को बढ़ावा दिया गया है।
   - लाभार्थी उन्मुख गतिविधियों और **एंटरप्रेन्योर मॉडल** में
     - परियोजना लागत का **60% तक वित्तीय सहयोग** दिया जाता है।
     - एक परियोजना पर अधिकतम **₹1.5 करोड़ तक की सहायता** उपलब्ध कराई जाती है।

राष्ट्रमंडल संसदीय संघ / CPA

संदर्भ:

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने बेंगलुरु में आयोजित 11वें कॉमनवेल्थ संसदीय संघ (CPA) इंडिया रीजन सम्मेलन का उद्घाटन किया।

Commonwealth Parliamentary Association (CPA)

स्थापना और नाम परिवर्तन:

- **1911**: स्थापना Empire Parliamentary Association के रूप में हुई।
  - पहले ब्रांच: ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूफ़ाउंडलैंड, न्यूज़ीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और यूनाइटेड किंगडम।
  - प्रारंभ में UK ब्रांच ही पूरे संगठन का प्रशासन देखती थी।
- **1948**: नाम बदलकर Commonwealth Parliamentary Association (CPA) रखा गया।
  - सभी ब्रांचों को संगठन के प्रशासन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया।

संरक्षक (Patron):

- **1953**: महारानी एलिज़ाबेथ द्वितीय ने अपने राज्याभिषेक के समय से ही संगठन में सक्रिय भूमिका निभाई।
- **1989**: एलिज़ाबेथ द्वितीय औपचारिक रूप से CPA की Patron बनीं।
- **2024**: किंग चार्ल्स तृतीय (Head of the Commonwealth) CPA के Patron बने।

प्रशासनिक ढाँचा:

- **साधारण सभा (General Assembly):**
  - संगठन की सर्वोच्च प्राधिकरण।
  - प्रतिनिधियों से मिलकर बनती है, जो हर वर्ष Commonwealth Parliamentary Conference में शामिल होते हैं।
- **कार्यकारी समिति (Executive Committee):**
  - CPA की गतिविधियों और कार्यों का प्रबंधन करता है।
  - यह समिति General Assembly को रिपोर्ट करती है।

वित्तीय स्रोत:

- सदस्य शाखाओं द्वारा दिए गए **सदस्यता शुल्क**।
- **दो ट्रस्ट फंड** और **अन्य दानदाताओं (Benefactors)** से प्राप्त धन।

डीजल के साथ आइसोब्यूटेनॉल का मिश्रण / Blending of Isobutanol with Diesel

संदर्भ:

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ARAI) डीजल में 10% आइसोब्यूटेनॉल मिश्रण की संभावना तलाशने पर काम कर रही है।

भारत में एथेनॉल और आइसोब्यूटानॉल ब्लेंडिंग:

पृष्ठभूमि:

- भारत में **डीज़ल में 10% एथेनॉल मिलाने के ट्रायल असफल** रहे।
- केवल **आइसोब्यूटानॉल ब्लेंड** ही सफल पाया गया।
- अब भारत में डीज़ल को **एथेनॉल की बजाय आइसोब्यूटानॉल** के साथ मिलाया जाएगा।
- आइसोब्यूटानॉल के साथ ट्रायल जारी हैं और आने वाले महीनों में इसका स्तर बढ़ाया जाएगा।

आइसोब्यूटानॉल:

- यह एक **अल्कोहल यौगिक** है।
- गुणधर्म: ज्वलनशील (flammable)।
- उपयोग: **सॉल्वेंट** (घोलक) के रूप में पेंट, कोटिंग और अन्य उद्योगों में।

एथेनॉल ब्लेंडिंग:

- परिभाषा: **पेट्रोल में एथेनॉल मिलाकर ऐसा ईंधन तैयार करना जिसे इंजन में उपयोग किया जा सके।**
- स्रोत (Feedstocks):
  - **मीठे पदार्थ**: गन्ना, शीरा (molasses), स्वीट ज्वार, शुगर बीट।
  - **स्टार्च वाले पदार्थ**: टूटा चावल, मक्का, कसावा।

नीति और लक्ष्य:

- **2018**: *राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति* में सरकार ने **2030 तक 20% एथेनॉल मिलाने का लक्ष्य** तय किया।
- **2014 के बाद की प्रगति** को देखते हुए यह लक्ष्य **2025–26 तक आगे बढ़ा दिया गया।**
- **वर्तमान स्थिति**: पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने का स्तर पहले ही **20% तक पहुँच चुका है।**
- **अगला कदम**: एथेनॉल का उपयोग कर **सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल (SAF)** बनाना।

GS FOUNDATION For

UPSC & STATE PSC

- इतिहास
- अर्थव्यवस्था
- भूगोल
- भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था

1500x4
~~₹6000/-~~

₹4500/-

- रोज़ाना लाइव क्लासेस
- साप्ताहिक टेस्ट
- क्लास की पीडीएफ (हिंदी + अंग्रेज़ी में)
- लाइव डाउट सेशन
- रोज़ाना प्रैक्टिस प्रश्न

COURSE VALIDITY
1 YEAR

FUNDAMENTALS OF STOCK MARKET

LEARN HOW TO TRADE

FOUNDATION COURSE OF MUTUAL FUND

INVEST IN KNOWLEDGE GROW YOUR WEALTH

COMBO OFFERS

COURSE FEE
~~₹4000/-~~

OFFER PRICE
₹2800/-

Course Validity
1 YEAR

BBK
Baaten Bazar ki

एक निवेश समझदारी से..

FUNDAMENTALS OF

STOCK MARKET

LEARN HOW TO TRADE

Course fee

₹1999/-

COURSE VALIDITY 1 YEAR

INVESTMENT की करो जीरो से शुरुवात

FOUNDATION COURSE OF
MUTUAL FUND
Invest in Knowledge
Grow Your Wealth
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
एक निवेश समझदारी से..

PORTFOLIO BUILDING AND MANAGEMENT COURSE

BBK Baaten Bazar ki

EMI AVAILABLE

\+ (FUNDAMENTAL OF STOCK MARKET)

FREE

- Long-Term Investing Foundations
- Principles of Value Investing and Stock
- Portfolio Construction Mastery
- Sectoral Investing
- Stock Picking Framework
- Active Portfolio Management Techniques
- Mega Cap vs Mid Cap Strategy

SPECIAL BONUS

COURSE VALIDITY
1 YEAR